फौजी अफसर की नवविवाहिता बीवी ने अपने घर में चूत चुदवाई -2

“राजे भी बिस्तर पे चढ़ गया और मेरी टाँगें खूब चौड़ी कर के फैला दीं, एक तकिया उठाकर मेरे चूतड़ों के नीचे जमाया तो बुर उसके लंड का स्वागत करने के लिए ऊपर को उठ गई। …”

Story By: चूतेश (chutesh)
Posted: Thursday, March 3rd, 2016
Categories: कोई मिल गया
Online version: फौजी अफसर की नवविवाहिता बीवी ने अपने घर में चूत चुदवाई -2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

फौजी अफसर की नवविवाहिता बीवी ने अपने घर में चूत चुदवाई -2

अब तक तो मैं बेबाकी की हद तक पहुंच चुकी थी, मेरे दिल में आया कि मैं राजे की रानी अपने ही बैडरूम में बनूँगी… कितना मज़ा आएगा ना जब मैं अपने ही पति के बिस्तर पर इस महा चोदू से चुदूँगी जैसे इसकी कई रानियाँ इसके बैडरूम में इसकी पत्नी जूसी रानी के बिस्तर पर चुद चुकी हैं।
यह सोच के ही मेरी चूत में रस का प्रवाह होने लगा।
अपने बिस्तर पर अपने पति के स्थान पर एक ग़ैर मर्द को चोदने के विचार ही अत्यधिक उत्तेजित करने वाले थे।

मैंने आव देखा न ताव और इससे पहले कि डर से मेरा इरादा बदल जाये, मैंने राजे से कहा- होटल की कोई ज़रूरत नहीं है, हम घर चलते हैं।
बड़ा मज़ा आया जब राजे ने चौंक कर आँखें फाड़ कर मुझको देखा।
‘क्यों चूतेश जी, क्या सिर्फ आप ही बेधड़क हो सकते हैं, आप देखते जाइये कि यह मोना भी कुछ कम नहीं है।’

अब जब मैं यह घटना का वर्णन कर रही हूँ मुझे खुद बहुत आश्चर्य हो रहा है कि इतनी बड़ी बात मैं कैसे कह पाई।

राजे ने ताज्जुब से पूछा- रानी घर तो चल पड़ेंगे परन्तु तू ये तो बता किसी ने पूछा तो क्या कहेगी… मैं तो आ जाऊंगा तेरे घर… तू अपना देख, तू कैसे संभालेगी ?
मैंने हँसते हुए कहा- कह दूंगी कि मेरे ताऊजी हैं… तुम्हारी ज़्यादा उम्र का ये फायदा तो है ना…कोई शक नहीं करेगा।

हालाँकि अब मेरी गांड फटनी शुरू हो गई थी, मगर अब तो तीर कमान से निकल चुका था।
चलिए देखेंगे… जब प्यार किया तो डरना क्या!
जब ताऊजी सोने की पायजेब उपहार में दे सकते हैं तो घर पर रुक भी सकते हैं और घर आकर ही तो उपहार देंगे!

बस जी फिर क्या था, हम राजे की कार में बैठकर मेरे घर आ गए। करीब 15-20 मिनट का रास्ता था होटल से मेरे घर का और रास्ते भर राजे मेरे साथ कुछ कुछ करता ही रहा। ड्राइवर गाड़ी चला रहा था परन्तु इस अविश्वसनीय शख्स को अपने ड्राइवर से ज़रा भी शर्म न थी, शायद उसको सेट करके रखा हुआ होगा।
मैं शर्मसार हुए जा रही थी कि ड्राइवर शीशे में सब कुछ देख रहा होगा।

राजे कभी मेरे ब्लाउज में हाथ घुसा कर चूचियाँ दबा देता तो कभी मुझे लिपटा के मेरे कान की लौ चाट लेता तो कभी मेरे पेट पर हाथ फिराता, मेरे कानों में मोटी मोटी गालियाँ फुसफुसाता जाता- …मादरचोद कमीनी, आज तेरी चूत का भोसड़ा बना दूंगा… रांड तुझे नंगी करके सड़क पर नचवाऊंगा… तेरी माँ भी चोदूंगा तेरे ही सामने कुतिया… हरामज़ादी रंडी की औलाद, आज तेरी गांड मारी जाएगी बिना तेल लगाये… कुचल कुचल के तेरा कीमा बना दूँगा माँ की लौड़ी कुतिया।
फिर मेरा हाथ पकड़ कर उसे अपने टनटनाये हुए लौड़े पर रख देता।

पाठको, राजे की इन उत्तेजनापूर्ण हरकतों से मैं बेहद गर्म हो चली थी, उसकी गालियाँ जलती आग में घी डालने का काम कर रही थीं। मेरे चूचुक खूब अकड़ चुके थे, चूत रस से भर चुकी थी और मेरी सांसें तेज़ चलने लगी थीं। मुझे पता था कि बुर में लण्ड घुसते ही मैं झड़ जाऊँगी।

राजे ने समझा दिया था कि ज़रा भी डरे बिना, बड़े आत्मविश्वास से हम दोनों कार से

उतरेंगे और बड़े आराम से एकदम नार्मल तरीके से चलते हुए घर में दाखिल होंगे।
ऐसा ही किया भी!
कार से उतर के राजे और मैं यूँ ही कुछ बेबात की बातचीत करते हुए घर में घुस गए।
राजे के सेल्फ कॉन्फिडेंस से मुझे भी अपने डर पर काबू पाने में सफलता मिल गई थी।

घर में प्रवेश करते ही मैंने राजे का हाथ पकड़ लिया और उसे खींचती हुई सीधे बैडरूम में ले गई।
मेरे लिए एक पल का सब्र भी भारी पड़ने लगा था।

बैडरूम में पहुँचते ही मैंने अपनी साड़ी का पल्लू नीचे गिरा दिया बिल्कुल फिल्मी स्टाइल में, उसके तने हुए लौड़े को थपथपाया और भिंची भिंची आवाज़ में बोली- लो राजे, अब बना लो मुझे अपनी रानी… जल्दी करो… बहुत तड़प रही हूँ!

राजे घुटनों के बल बैठ गया बिल्कुल मेरे सामने और मेरी कमर पकड़ के उसने जीभ मेरी नाभि से लगा दी।
हाय राम… मैं तो तड़फ उठी… उसकी जीभ गीली और गर्म थी.. जैसे ही उसने जीभ को नाभि में घुमाना प्रारम्भ किया, मेरी उत्तेजना और भी बलवती हो उठी।
सी सी सी करते हुए मैंने राजे से कहा- राजे क्यों जलाये जा रहे हो… प्लीज़ अब बना लो मुझे अपनी रानी… अब सहन नहीं हो रहा है!

तब तक राजे ने मेरे पेटीकोट में हाथ डालकर साड़ी को बाहर निकल दिया था और फिर जब उसे छोड़ दिया तो साड़ी एक गोल ढेर के रूप में मेरे पैरों के इर्द गिर्द आ गिरी।
नाभि चूसते चूसते, मुझे बुरी तरह से तड़पाते हुए राजे ने पेटीकोट का नाड़ा खोल दिया तो वही हश्र पेटीकोट का हुआ जो साड़ी का हुआ था।

वो नाभि से जीभ नहीं हटा रहा था और मेरा हाल ऐसा हो रहा था जैसे मछली जल के

बाहर आ जाये तो तड़फती है।
उसने जीभ ज़ोरों से नाभि में घुसा दी और फिर झट से ब्लाउज के हुक अलग करके ब्रा के हुक भी खोल डाले।
राजे के सधे हुए हाथों ने एक ही क्षण में ब्लाउज और ब्रा को खींच के न जाने कहाँ को उछाल फेंका।

अब मैं सिर्फ चड्डी में रह गई थी, राजे अभी भी मेरी नाभि चूसे जा रहा था, मज़े की अति से मेरी गांड फटने को हो गई थी।
तभी राजे ने बिना रुके जीभ फिराते हुए एक ही झटके में मेरी चड्डी भी घसीट के नीचे साड़ी और ब्लाउज के बीच गिरा दी। अब मैं बिल्कुल मादरजात नंगी हो चुकी थी।

राजे ने उठकर मुझे बिस्तर पर बिठा दिया और फिर से फर्श पर घुटनों में बल बैठकर मेरी एक चूची मुंह में ले ली। उसका पत्थर सा सख्त हाथ दूसरी चूची को दबाने लगा।
उस वक़्त तक मैं कामवासना के भयंकर आवेश में दीवानी सी हो गई थी, मैंने गिड़गिड़ा कर कहा- राजे प्लीज़, प्लीज़्ज़... अब समा भी जाओ मेरे भीतर... क्या दम निकाल के ही छोड़ोगे ?

राजे ने झटपट अपने कपड़े उतारने शुरू किये और कुछ ही पलों में वो भी पूरा नंगा हो गया, उसका आठ इंच का मोटा लण्ड कस के तना हुआ था।

मैंने ध्यान से उस चूतेश लण्ड को निहारा... बहनचोद गुलाबी रंग का टोपा फूल के कुप्पा हो गया था, सुपारी की खाल सुपारी को पूरा नहीं ढकती थी बल्कि थोड़ा सा टोपा नंगा ही रह जाता था।
वो कमीना लंड एक तोप की भांति अकड़ा हुआ, ऊपर को उठा लगातार उछल उछल कर राजे के पेट से टकरा रहा था।
लंड के छेद पर उसके द्रव की एक बून्द चमक रही थी।

कामातुर होकर मैंने लंड को सहलाते हुए वो बून्द को जीभ से उठाकर मुंह में डाल लिया।
चिकनी चिकनी वो चुदाई से पहले वाली बून्द का स्वाद चख के आनन्द आ गया।
मदमस्त होकर मैंने तपाक से मुंह पूरा खोला और सुपारी अंदर ले ली, फिर मैंने जीभ से सुपारी पर टुकर टुकर करनी शुरू कर दी, जीभ से ही सुपारी की खाल पीछे करके मैंने उस फूले हुए टोपे को नंगा कर दिया और उस पर मज़ा लेते हुए जीभ फिराई।

राजे मस्ता के चिल्लाया- माँ की लौड़ी कुतिया… बहुत मस्त चूसती है कमीनी… आह आह आह आह.. यार मादरचोद इश्क़ हो गया तेरी चुसाई से….आहा आहा आहा..
मज़े में झूमकर राजे ने एक ज़ोरदार धक्का ऐसा ठोका कि लंड का मोटा सा सुपारा धड़ाम से जाकर मेरे गले में लगा।

एक बार तो सांस रुक सी गई, इतना ज़बरदस्त धक्का था कि उसकी धमक से मेरा बदन झनझना उठा।
फिर राजे ने लंड हिलाना बंद कर दिया और मैं आराम से मुंह में फंसे हुए लौड़े को चूसने लगी, बहुत आनन्द आ रहा था, चूत कुलबुल कुलबुल कर रही थी कि अब मुझसे बिना लौड़ा लिए रहा नहीं जा रहा और मुंह था कि चूसने का आनन्द छोड़ने को ज़रा भी तैयार न था।
काश कि राजे के दो दो लौड़े होते तो एक मुंह में ले लेती और दूसरे को चूत में।

काफी देर चूसने के बाद मुझे लगा कि चूत को अब और ज्यादा तरसाना ठीक नहीं, बेचारी तड़प तड़प के पनियाई जा रही है। इतनी देर से मुंह इतना चौड़ा खोले खोले मेरा जबड़ा थोड़ा थोड़ा दुखने भी लगा था। इतना मोटा लंड पूरा जड़ तक घुसा हो तो जबड़ा तो दुखेगा ही।

बड़े बेमन से मैंने लंड को मुंह से निकला और एक बार फिर से उसे प्यार से निहारा।
लंड फुनफुना रहा था, बार बार ऊपर नीचे उछाल रहा था, मेरे मुंह के रस से एकदम तर

हुआ पड़ा था।
क्या टन्न से अब ये घुसेगा मेरा गर्म गर्म चूत में ?

इसका ख्याल आते ही तेज़ हवस की एक लहर बदन में दौड़ गई, मैं बोली- राजे… जानू अब मुझे ले लो ना… बहुत टाइम हो गया है… अब और देर ना करो !
राजे ने कहा- पहले तू खुले शब्दों से कह कि राजे मादरचोद अब चोद दे… सूत दे लंड मेरी बुर में… ये शराफत वाली भाषा मेरी समझ में कम आती है।

जब उसके सामने नंगी हो गई, उसका लंड चूस लिया और चुदने को गिड़गिड़ा रही हूँ तो फिर गालियाँ देने या सड़कछाप शब्दों से कैसी शर्म ? मैंने शर्म हया सब ताक पर रखते हुए ऊँची आवाज़ में कहा- राजे… माँ के लौड़े, कुत्ते, बहनचोद अब पेल दे चूत में लंड को… किस बात की इंतज़ार है कमीने तुझे… जल्दी से चोदना शुरू कर.. साला हरामी का पिल्ला !

राजे खुशी में झूम गया और मुस्कुराते हुए बोला- यह हुई ना बात हरामज़ादी कुतिया… चल चढ़ जा अपने पति वाले बिस्तर पे… साली बदचलन रंडी कहीं की !
यह कह के उसने मेरी कमर पकड़ी और एक ही झटके में मुझे बिस्तर पर पटक दिया, राजे भी बिस्तर पे चढ़ गया और मेरी टाँगें खूब चौड़ी कर के फैला दीं, एक तकिया उठाकर मेरे चूतड़ों के नीचे जमाया तो बुर उसके लंड का स्वागत करने के लिए ऊपर को उठ गई।
राजे ने हल्के से एक उंगली चूत के होंठों पर लगाई, रस से उंगली भीग गई जिसको उसने मेरे मुंह में चाटने को दे दिया। और मेरा हाल तो पूछो ही मत… लगता था कि मैं शायद बिना चुदे ही ही झड़ जाऊँगी।

तभी घुटनों पर बैठ कर राजे ने लौड़ा चूत के मुंह पर लगा दिया… एक गहरी सीत्कार मेरे मुंह से निकल पड़ी।
राजे ने एक गहरी सांस ली और धम्म से लौड़ा चूत में ऐसा पेला कि वो पूरा जड़ तक जा

घुसा और टोपा बड़े ज़ोर से बच्चेदानी के निचले भाग से टकराया।
इस ज़बरदस्त धक्के की धमक मेरे सिर तक पहुँचती हुई महसूस हुई।

चूत इतनी अधिक गर्म हो गई थी कि लंड के घुसने मात्र से मैं स्खलित हो गई। तेज़ मज़े में सी सी सी करते हुए मैंने टाँगें राजे की कमर के इर्द गिर्द कस के लपेट लीं और ज़ोर से कस लिया।
राजे बड़े आराम से लंड को तुनके दे रहा था, पूरा लंड चूत में ठुंसा हुआ था और चूत झड़ के उस पर रस का फुहारा सा डाल रही थी।
मैं चूत को बार बार खुल बंद, खुल बंद, खुल बंद कर रही थी और हर बार रस छूट जाता।
आनन्द में मग्न मैं ना जाने कौन से आकाश में उड़ी जा रही थी।

मैंने कामविह्वल हो कर राजे से कहा- राजे… सुन मादरचोद… मुझे वैसे ही चोद जैसे तूने नीलम को वहशी की तरह चोदा था…
इतना कह के मैंने टाँगें राजे की गर्दन में क्रॉस करके फंसा दीं और चूतड़ उछाल कर धक्के मारने की कोशिश करने लगी।
राजे हंसकर बोला- साली… राण्ड… तेरी माँ को नंगा नचवाऊं हरामज़ादी कमीनी…
तसल्ली रख बहन की लौड़ी… अभी करता हूँ तेरी बॉडी की मरम्मत… साली वेश्या…
आज तेरा बम भोसड़ा बना देता हूँ… रुक थोड़ा सा… रंडी की औलाद!

कहानी जारी रहेगी।

Other stories you may be interested in

पड़ोस के बाप बेटे- 4

इंडियन भाभी न्यूड स्टोरी में एक जवान शादीशुदा लड़की ने अपने पड़ोस के जवान लड़के को अपनी ब्रा पैंटी दिखाकर अपनी ओर आकर्षित किया और उससे चुद गयी. दोस्तो, मैं रोमा शर्मा अपनी स्टोरी का अगला भाग लेकर आई हूं। […]
Full Story >>>

पड़ोस के बाप बेटे- 3

भाभी और अंकल Xxx कहानी में पढ़ें कि एक जवान भाभी को अपने ससुर की उम्र के पड़ोसी अंकल से चुदाई करके इतना मजा आया कि वह हर रोज चुदाई कराने लगी. दोस्तो, मैं रोमा शर्मा अपनी स्टोरी का अगला […]
Full Story >>>

मेरी बीवी मेरे सामने पुलिस वाले से चुदी

हॉट वाइफ सेक्स ककोल्ड स्टोरी में मेरी बीवी ने पुलिस वाले से मिलकर मेरे सामने अपनी चूत चुदाई का प्रोग्राम बनाया. इसमें उन दोनों ने मुझे धोखे से फंसा लिया ! नमस्कार दोस्तो, आप लोगों ने मेरी पिछली सेक्स कहानी मेरी […]
Full Story >>>

पड़ोस के बाप बेटे- 2

हॉट भाभी Xxx स्टोरी में मुझे पड़ोस के एक अंकल ने अपने घर में चोद दिया. अंकल का लंड पकड़ने के बाद मेरी चूत में भी लंड लेने की आग लग गई थी। ये कैसे हुआ ? नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम […]
Full Story >>>

पड़ोस के बाप बेटे- 1

हॉट अंकल Xx कहानी एक शादीशुदा लड़की की है जिसने पति से बहुत चुदाई करवाई थी लेकिन जब पति बाहर जाते तो उसकी चूत लंड के लिए प्यासी होने लगती थी। नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम रोमा शर्मा है। अगर आपने […]
Full Story >>>